बर्षः- 05
अंकः- 278
मुरादाबाद
(Saturday)
31 January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि : पीएम मोदी समेत इन नेताओं ने बापू को किया नमन

सीएम योगी ने गांधी जी की प्रतिमा पर अर्पित की पुष्पांजलि, रघुपति राघव राजाराम... का किया मनन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने अहिंसा को दुनिया बदलने वाली सबसे बड़ी ताकत बताया। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बापू को याद करते हुए उनके भजनों के जरिए दूसरों का दुख समझने और नफरत को प्रेम से जीतने का संदेश दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और उनके महान विचारों को याद किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर बापू को श्रद्धांजलि देते हुए उनके सिद्धांत पर जोर दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से उन्होंने बापू को नमन करते हुए लिखा, पूज्य बापू ने मानवता की रक्षा के लिए हमेशा अहिंसा पर बल दिया। इसमें वह शक्ति है जो बिना हथियार के दुनिया को बदल सकती है। 'अहिंसा परमो धर्मस्तथाऽहिंसा परन्तपः। अहिंसा परमं सत्यं यतो धर्मः प्रवर्तते।' (अहिंसा सबसे बड़ा धर्म है, अहिंसा ही सबसे बड़ा तप है और अहिंसा ही परम सत्य है, जिससे धर्म की स्थापना होती है।)पूज्य बापू ने मानवता की रक्षा के लिए हमेशा अहिंसा पर बल दिया। इसमें वह शक्ति है, जो बिना हथियार के दुनिया को बदल सकती है।राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि- वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपिता को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स लिखा, महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं। वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर राष्ट्रपिता ने हमें आजादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है। और हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि। महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं - वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफ़रत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मल्लिकार्जुन खरगे ने बापू को दी श्रद्धांजलि कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बापू के पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वैश्णव जन तो तेने कहिये जे, पीड़ परायी जाणे रे, पर-दुख्खे उपकार करे तोये, मन अभिमान ना आणे रे (सच्चा ईश्वर भक्त (वैष्णव) वही है, जो दूसरों के दु:ख-दर्द को समझता है, दूसरों पर उपकार (भलाई) करता है,

लेकिन अपने मन में किसी भी प्रकार का अहंकार (गर्व) नहीं आने देता है) उन्होंने आगे लिखा, जिस नफ़रत ने हमें बापू से जुदा किया, उसका तोड़ भी बापू की ही राह हैज् सत्य का उजाला, अहिंसा की ताकत, और प्रेम की करुणा। वैश्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे पर-दुख्खे उपकार करे तोये मन अभिमान ना आणे रे जिस नफ़रत ने हमें बापू से जुदा किया, उसका तोड़ भी बापू की ही राह हैज् सत्य का उजाला, अहिंसा की ताक़त, और प्रेम की करुणा।

गृहमंत्री अमित शाह ने बापू को किया नमन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी बापू के पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महात्मा गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर कोटिश: नमन। पूज्य बापू ने भाषा, क्षेत्र, जाति में बंटे देश को एक कर आजादी के आंदोलन को व्यापकता दी। स्वदेशी, स्वाधीनता व स्वच्छता को एक सूत्र में बांधकर गौरवशाली भारत की कल्पना करने वाले महात्मा गांधी जी के विचार हमें प्रेरित करते रहेंगे। महात्मा गाँधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर कोटिश: नमन। सीएम योगी ने पुण्यतिथि पर गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। रघुपति राघव राजा राम... का मनन किया।सीएम योगी ने पुण्यतिथि पर गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। रघुपति राघव राजा राम... का मनन किया।इस दौरान स्कूली बच्चों ने महात्मा गांधी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। रघुपति राघव राजाराम सहित अन्य भजनों की मधुर धुनों से जीपीओ पार्क गूंज उठा। सीएम योगी ने एकाग्रता के साथ लगभग 15 मिनट तक बैठकर भजनों को सुना। उन्होंने न केवल बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की, बल्कि गांधी प्रतिमा के समक्ष सभी स्कूली बच्चों के साथ फोटो भी खिंचाई।यह लोग रहे मौजूद- इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, जय देवी, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे। सत्य और अहिंसा का संदेश- इससे पहले सीएम ने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते बापू को श्रद्धांजलि अर्पित की। लिखा कि %राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें शत-शत नमन। श्रद्धेय बापू का सत्यनिष्ठ आचरण, अहिंसा की उनकी अडिग साधना और मानवता के प्रति अनन्य करुणा, संपूर्ण विश्व को सदैव आलोकित करती रहेगी। आइए, बापू के आदर्शों को आत्मसात कर समृद्ध, न्यायपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।

संक्षिप्त समाचार

गमोसा न पहनकर राहुल ने किया पूर्वोत्तर का अपमान, असम में कांग्रेस पर बरसे अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर पूर्वोत्तर की संस्कृति के अपमान का आरोप लगाया है। असम में जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में राहुल ने गमोसा पहनने से इनकार कर दिया। उन्होंने कांग्रेस पर घुसपैठ की राजनीति करने और असम को केवल हिंसा देने का भी आरोप लगाया।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान डिब्रूगढ़ के खानिकर परेड ग्राउंड में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने असम की पहचान गमोसा का अपमान किया है। शाह ने बताया कि गणतंत्र दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एट होम कार्यक्रम रखा था। इस कार्यक्रम में सभी मेहमानों को सम्मान के तौर पर असम का पारंपरिक स्कार्फ गमोसा दिया गया। शाह का दावा है कि विदेशी मेहमानों सहित सभी बड़े नेताओं ने इसे पहना, लेकिन राहुल गांधी ने इसे पहनने से साफ इनकार कर दिया। वे ऐसा करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे।गृह मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी अपनी मर्जी के मालिक हो सकते हैं, लेकिन भाजपा नॉर्थ ईस्ट की संस्कृति का अपमान कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जब तक बीजेपी सत्ता में है, राज्य की परंपराओं का सम्मान पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। भाजपा सरकार असम के विकास और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वामी प्रसाद मौर्य बोले- भाजपा की नीति सांप भी मर जाए, लाठी भी न टूटे:ये OBC और सर्वसमाज को लड़ा रहे

लखनऊ में स्वामी प्रसाद मौर्य ने भाजपा पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने एससी-एसटी-ओबीसी हितों से जुड़े कानून की सुप्रीम कोर्ट में कमजोर पैरवी की।लखनऊ में स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने आवास पर प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, जिस कानून को एससी, एसटी और ओबीसी के हित में बताया गया। उसी कानून की पैरवी में सरकार सुप्रीम कोर्ट में क्यों गायब दिखी। अगर नीयत साफ थी, तो अदालत में मजबूती क्यों नहीं दिखी?अगर कानून सही था तो सीनियर वकील क्यों नहीं उतारे गए? क्या जानबूझकर कमजोर पैरवी कराई गई ताकि कानून रुक जाए और सरकार दोनों तरफ से बच जाए? जब विश्वविद्यालयों में 90-95% भर्तियां जनरल की हो रही हैं, तो सामाजिक न्याय कहां हैं? क्या ये वही नीति है। %सांप भी मर जाए, लाठी भी न टूटे% क्या भाजपा एससी, एसटी, ओबीसी और सर्वसमाज को आमने-सामने खड़ा कर राजनीतिक फायदा लेना चाहती है।

गांधी एक सोच, जिसे नफरत नहीं मिटा सकती, बोले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी

राहुल गांधी ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बापू एक सोच हैं, जिसे नफरत की विचारधारा कभी नहीं मिटा सकती। उन्होंने सत्य और अहिंसा को सत्ता की शक्ति से बड़ा बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और अन्य नेताओं ने भी बापू को नमन किया और नफरत के खिलाफ उनके रास्ते को ही एकमात्र समाधान बताया।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति का नाम नहीं है, बल्कि वे एक सोच और जीवन जीने का तरीका हैं। राहुल गांधी के अनुसार, इतिहास में कई बार साम्राज्यवादी ताकतों, नफरत की विचारधारा और सत्ता के घमंड ने इस सोच को मिटाने की कोशिश की, लेकिन वे हर बार नाकाम रहे।राहुल गांधी ने क्या कहा? राहुल गांधी ने बापू को भारत की अमर आत्मा बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स एक पोस्ट में कहा, महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, एक सोच हैं। वह सोच जिसे कभी एक साम्राज्य ने, कभी एक नफरत की विचारधारा ने और कभी अहंकारी सत्ता ने मिटाने की असफल कोशिश की। मगर राष्ट्रपिता ने हमें आजादी के साथ यह मूलमंत्र दिया कि सत्ता की ताकत से बड़ी सत्य की शक्ति होती है और हिंसा व भय से बड़े अहिंसा और साहस। यह सोच मिट नहीं सकती, क्योंकि गांधी भारत की आत्मा में अमर हैं। बापू को उनके शहीदी दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि।

सीएम फडणवीस से मिले NCP नेता, अजित पवार के विभागों पर पेश किया दावा; अब आगे क्या होगा?

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर पार्टी प्रमुख व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद उनके विभागों पर अपना दावा पेश किया। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। इस मुलाकात में पार्टी नेताओं ने पवार के पास रहे विभागों पर अपना दावा पेश किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एनसीपी के सीनियर नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल फडणवीस के 'वर्षा' बंगले पहुंचे और सीएम से मुलाकात की। अजित पवार के पद को जल्द भरना जरूरी% - मुख्यमंत्री के साथ बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रफुल्ल पटेल ने कहा, %हम महायुति गठबंधन के साझेदार हैं, इसलिए अजित पवार के पद को जल्द से जल्द भरने के लिए सही निर्णय लेना जरूरी है। साथ ही, कोई भी फैसला लेने से पहले हमें जन भावना पर विचार करना होगा। परिवार को इस दुख से उबरने के लिए समय देना आवश्यक है। हम जल्द ही सुनेत्रा पवार और परिवार के साथ पार्टी के भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे।% रविवार को हो सकता है बड़ा फैसला- जानकारी के मुताबिक, एनसीपी ने रविवार को विधायक दल की बैठक बुलाई है, जिसमें अजित पवार की पत्नी और राज्यसभा सांसद सुनेत्रा पवार को विधायक दल का नेता चुने जाने की संभावना है। यह विधायक दल भाजपा और शिवसेना के साथ मिलकर सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा है। वहीं, शनिवार की बैठक में पार्टी के नए अध्यक्ष के चयन पर भी फैसला लिए जाने की उम्मीद है।बता दें कि अजित पवार के निधन के बाद उनका विभाग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास चला गया है और जब तक एनसीपी कोटे से कोई नेता मंत्री पद की शपथ नहीं ले लेता है यह सारे विभाग मुख्यमंत्री के पास ही रहेंगे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- 40 दिन में गाय को दें राज्यमाता का दर्जा, सरकार को दिया ये अल्टीमेटम

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मीडिया से बातचीत में प्रदेश सरकार को 40 दिन का अल्टीमेटम दिया है। बोले अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह लखनऊ में सभी संतों के साथ पहुंचकर विरोध दर्ज कराएंगे।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि 40 दिन में गाय को राज्यमाता का दर्जा दीजिए। बीफ निर्यात पर रोक लगाइए। 10 मार्च को 40 दिन बीतेंगे। यदि ऐसा नहीं हुआ तो 11 मार्च को लखनऊ में सभी संत इकट्ठा होंगे और कड़ा विरोध जताएंगे।शंकराचार्य ने कहा, यूपी सरकार की पुलिस व अन्य अधिकारियों ने हमसे शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा था, जो हमने उपलब्ध करा दिया। अब हम प्रदेश सरकार को अल्टीमेटम देते हैं कि 40 दिन के अंदर वो खुद को सिद्ध करें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो 40 दिनों के बाद वह लखनऊ में सभी संत समाज के साथ पहुंचेंगे।स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सनातनी हिंदुओं पर डंडा बरसाना बंद कीजिए। देश से कुल बीफ का निर्यात का 40 फीसदी सिर्फ उत्तर प्रदेश का है। देश में पशुओं की संख्या में भैंस गाय की तुलना में 75 फीसदी है, बाकी जगह गाय की संख्या ज्यादा है। कुर्सी के लोभ में यह पाप आप कर रहे हैं। निर्यात को तत्काल बंद कीजिए। तीखा हमला बोलते हुए कहा कि माफी मांगने का तरीका होता है। प्रशासन लालच दे रहा थे कि आप नहा लीजिए आपके ऊपर फूल बरसाएंगे। मैंने मना कर दिया।

संपादकीय Editorial

From Self-Respect to Self-Reliance

For those looking only for gifts on the map of Full Statehood Day, Chief Minister Sukhwinder Sukhu's speech doesn't allow for the opportunity to seek omens from the hard pages, but it certainly outlines ways to transform the system. Despite the government's three-year journey and the central government's behavior, Himachal's self-respect is vigilantly inventing a dictionary of its own strength, prosperity, and self-reliance. The definition of full statehood isn't so simple that only the working class can speak on stage. If dearness allowance is the bread and butter for employees, then Himachal's unemployed, laborers, gardeners, and farmers have an equal responsibility to protect their land and homes. Here, the issue of managing the state's income and resources calls for a new balance. If Himachal is to achieve any major achievement, should it be seen only as a gift of government jobs and employees in the decoration of a popular government? Recognizing the employment potential of farmers, if the government increases the purchase price of cow milk from Rs. 32 to Rs. 51 per liter and buffalo milk from Rs. 47 to Rs. 61 per liter, it is a major guarantee of a revival of the rural economy. Of course, employee issues must be addressed, but if more than half of the state's budget can't even cover government salaries, allowances, and pensions, then even a loan of nearly Rs. 1 lakh crore won't solve the problem. Furthermore, it's also a question of the livelihoods of five to 2.5 million people. Adding government employees and pensioners, the number is approximately four and a half to five lakh, while in the private sector, approximately 2.5 lakh people are engaged in jobs, business, agriculture, horticulture, and self-employment. What kind of magic will happen that only five lakh people always receive all the government's announcements as gifts for full statehood or Himachal Day? The test of a state's self-reliance is also a reduction in government expenditure. The private sector also needs incentives and guarantees to increase revenue and employment. Furthermore, the conditions for celebrating Statehood Day amidst disasters cannot simply be based on shouting "DA-DA" on social media. Himachal now needs a new economic fraternity. This doesn't entitle it to 100% worship the public sector, as the central government's standards have changed. Therefore, governments must first establish practical platforms for the state's rights. The Sukhu government may appear to be different from previous governments, implementing various cuts and criteria, but if the revenue deficit grant is reduced from 10,249 crore rupees to just 3,256 crore rupees in 2021-22, what will be the true nature? It's a different matter that the Zika project, which until yesterday was used to worship the forest and agriculture sectors, has today led the government to undertake robotic surgery and replace hospital machinery. Similarly, by closing institutions that were proving inadequate for education, 130 CBSE schools and some specialized colleges have been established. In the battle for self-reliance, Shimla's Wildflower Hall is now becoming a profitable asset for the state, while the return of the Shanan and Baira Siul hydroelectric projects will fill Himachal's coffers. Making the state's water power the foundation of self-reliance, the government not only wants to recover the outstanding six and a half thousand crore rupees from BBMB, but is also working on the process of taking back projects from SJVNL and NHPC. We cannot weigh such a day merely on politics, yet the government's intention and weight behind the OPS and the gradual distribution of installments of fifteen hundred rupees.

The Indian electoral system has become an example.

Community balance and social coexistence among diverse social identities are the key to the stability of our democracy. This is the vision of the Election Commission. It is this vision that has led it to continuously promote innovation. Initiatives such as EVMs, VVPATs, women- and disabled-run and theme-based polling stations, postal ballots, information and technology-based voter services, and SWEEP are being rapidly implemented on a wide scale. India's chairmanship of IDEA has increased global acceptance. Increasing voter participation and the Election Commission's effective innovations. The Indian model is more stable and inspiring than Western democracy. In the eyes of Western countries, democracy is the one that emerged from the Treaty of Magna Carta, signed in England in 1215 AD. Western countries have a certain sense of superiority towards this democracy. It is no small feat for India to be the chair of the International Institute of Democratic and Electoral Assistance (IDEA), an organization of election-conducting institutions in countries with such a mindset. Recently, a conference of this organization was held in Delhi under the chairmanship of the Election Commission. Through this, the Commission attempted to introduce Western countries to Indian democratic values. Established in 1995 by 14 countries, the organization currently has 37 member states. The United States and Japan are permanent observers. The world's population is currently around eight billion. In this context, the organization represents approximately 2.2 billion registered voters. India alone accounts for over 991 million. This makes India the world's largest democracy. At a time when the Indian electoral system and machinery are under question on the domestic front, the Election Commission's leadership of this institution means the Commission's global acceptance is growing. In this context, the chairmanship of the organization is not merely a formal responsibility for India, but also an opportunity for ideological leadership. Today, voter participation in elections in India is steadily increasing. This, in a way, reflects the success of the electoral system. Growing innovation in electoral management, an emphasis on digital election management, and increased access to voters with disabilities and in remote areas—all of these have been made possible by the Election Commission's efforts. The Election Commission has conducted numerous experiments to increase electoral literacy. Despite opposition concerns, the increasing voter participation in elections demonstrates that public trust in the Election Commission has not waned. One reason for the continued integrity of electoral practice in the country is India's traditional democratic mindset. The system for rural governance developed by the 10th-century Chola rulers in South India is considered by even modern political scientists to be superior. Before the Magna Carta, the Anubhava Mandapam, established by Saint Basaveshwara, the founder of the Lingayat sect in Karnataka, allowed people from all walks of life to openly discuss religious, political, and economic issues. Political scientists consider this an early form of the modern parliament. Growing global polarization, disinformation and cyber interference, the increasing use of black money in elections, and the declining interest of young people pose serious threats to modern democracy. The increasing use of AI to influence public opinion is adding insult to injury. In such a challenging environment, India's experience and its successful electoral model can offer a ray of hope for the electoral systems of democratic countries on the global stage. The strength of our democracy lies not only in the electoral process but also in the importance given to every vote. This is why, despite a diverse society, language, religion, and inequalities, the Indian electoral system remains peaceful. A pluralistic society is not a hindrance to Indian democracy, but rather its greatest strength. Compared to democratic trends in Western countries and the Global South, Indian electoral management appears far more successful. In the US and Europe, not only is voter participation steadily declining, but challenges like distrust and social conflict are also increasing. In contrast, despite diversity, our system remains a peaceful means of resolution. The increasing participation of women and young voters has further strengthened the roots of democracy. The growing trust of the public in the political system is also a reflection of this. Despite diverse social identities, castes, sects, and languages, India lacks social conflict like in the West, primarily due to the Indian voter's unwavering faith in the democratic and electoral process. Community balance and social coexistence among diverse social identities are the guarantees of the stability of our democracy. This is also the vision of the Election Commission, which is why it continuously promotes innovation. Initiatives such as EVMs, VVPATs, women- and disabled-managed and theme-based polling stations, postal ballots, information technology-based voter services, and SVEEP are being rapidly implemented on a large scale. Furthermore, the involvement of prestigious educational institutions such as the IITs and IIMs demonstrates that election management is being developed not just as an administrative process but also as an academic and policy-oriented field of study. This has given Indian democracy a broader and more sustainable future than in the West. This is why the Indian electoral model has become an inspiration for the world in global discourse.

Panchayat Elections on the Map

A new wave is emerging in the Panchayat elections and politics. In an atmosphere rife with testimonies, twists and turns, and political points, Himachal will, for a time, explore new options. Panchayat elections are considered a festival of democracy, but they are also seen as a reflection of the changing nature of politics. Ironically, this time, pre-election efforts have led to the directive to complete the election process by April 30th. This means that elections will be defined within the stipulated timeframe only after completing the roster process by February 28th. Through the Panchayat elections, Himachal will provide a political narrative of its expectations, potential, and the desires of civil society, and a massive awareness campaign will be witnessed through approximately 5.6 million voters. If the election campaign continues in only 71 urban bodies, in addition to the 3,577 Panchayats, it could be a tough test for changing political discourse. Even though the elections aren't held on party symbols, these elections will be a mix of fact and fiction, amidst claims and counterclaims. Last time, the Panchayat elections attracted the youth. Those who were perfecting their degrees in search of a career also entered the Panchayat elections, seeking a political career. This time too, the mood will be similar, as numerous examples of political careers are inspiring young people. The BJP is launching a full-fledged campaign for political leadership. Prime Minister Narendra Modi has envisioned 100,000 young people becoming direct columnists in Indian politics. In this context, MP Anurag Thakur organized an event in Dharamshala today. Political behavior is changing. From public addresses to the first workshops on national policies and programs, the Panchayat elections begin, and if one possesses the skill in this mathematics, it's not just an election, but a platform for national upliftment. In Himachal, the electoral mathematics of local bodies often exposes the opposition, and the results are followed by numerous unwritten and undeclared claims. Himachal's real politics takes place in rural areas, so this time the BJP is so active that it has made the Panchayat election process a political issue. Clearly, the next few days and the next two and a half months will be spent in these elections. When the state's development framework, the blueprint of schemes, public welfare schemes and programs are discussed, the issues will shift to local concerns and the search for representatives. Ironically, Panchayat Raj elections become a play on casteism, further narrowing the boundaries between likes and dislikes. Even in urban bodies, the desired capabilities of local self-governance are lacking. Councillors seem unable to grasp what needs to be done to transform cities into centers of economy and employment. Will local body elections be able to create new employment opportunities through Himachal's economy and rural and urban development, or will all these twists and turns be lost in the political compulsions, influence, or temptations of the ruling party versus the opposition?

स्पेशल ब्रांच ने संदिग्ध आतंकी फैजान के परिजनों से की पूछताछ, अब गुजरात जाएगी एटीएस, दोस्तों पर नजर

गुजरात में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी फैजान के मामले में जांच तेज हो गई है। स्पेशल ब्रांच की टीम ने रामपुर पहुंचकर उसके परिवार से पूछताछ की। अब यूपी एटीएस की टीम जल्द ही गुजरात जाकर फैजान से दोबारा पूछताछ करेगी।गुजरात में पकड़े गए संदिग्ध आतंकी फैजान एटीएस की टीम जल्द ही गुजरात जाकर फैजान से पूछताछ करेगी। रामपुर की करेगी।गुजरात में एटीएस ने नवसारी से रामपुर के संदिग्ध आतंकी फैजान को एटीएम की टीम इसी सप्ताह गुजरात जा सकती है। टीम वहां फैजान से दोस्तों की भी तलाश - बृहस्पतिवार को स्पेशल ब्रांच की टीम रामपुर पहुंची की टीम फैजान के इंस्टाग्राम के दोस्तों को खंगाल रही है। फैजान के और उनकी पहचान कर रही है। महत्वपूर्ण जानकारी लगी हाथ- जल्द ही खुफिया विभाग को फैजान से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लगी है। खंगाली जा रही है। बृहस्पतिवार को टीम ने फैजान के दो दोस्तों से कई घंटे फैजान के दोस्तों से पूछताछ की जाएगी। जैसे ही गुजरात की एटीएस कुछ पंचायत अध्यक्ष संग पहुंचे अहमदाबाद आतंकी गतिविधियों के आरोप में

से पूछताछ जारी है। उसके पिता शकील अहमद बेटे से मिलने और पैरवी के लिए अहमदाबाद पहुंचे। उनके साथ नगर पंचायत अध्यक्ष खालिद अली भी गए हैं। नरपतनगर निवासी शकील अहमद का बेटा फैजान बीते आठ साल से अहमदाबाद के नवसारी में कोट-पैंट की सिलाई के कारखाने में काम करता है। गुजरात एटीएस ने की कार्रवाई - गुजरात में एटीएस ने नवसारी से रामपुर के संदिग्ध आतंकी फैजान को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि फैजान पैगंबर मोहम्मद के कथित अपमान का बदला लेने के लिए उत्तर प्रदेश में कुछ लोगों की हत्या की साजिश रच रहा था। उसके पास से पिस्टल-कारतूस के अलावा जैश-ए-मोहम्मद और अलकायदा जैसे आतंकी संगठनों के समर्थन करने वाला साहित्य भी मिला है। इस मामले में एटीएस की टीम दो दिन से रामपुर में डेरा डाले हुए थी। टीम ने फैजान के घर पहुंचकर उसके परिवार के सदस्यों से बात की। इसके बाद टीम लखनऊ लौट गई। बुधवार को भी स्थानीय पुलिस ने उसके पिता से बाचतीत की लेकिन कोई पुख्ता जानकारी अथवा सुराग हाथ नहीं लग सका। उधर, फैजान पकड़े जाने के बाद रविवार से रिमांड पर है, जिससे अभी पूछताछ की जा रही है। परिवार पर आर्थिक तंगी - इधर, उसके पिता आर्थिक तंगी के कारण लगभग चार दिन तक बेटे से मिलने के लिए अहमदाबाद नहीं जा सके। बुधवार की रात वह नगर पंचायत अध्यक्ष खालिद अली के साथ अहमदाबाद के लिए रवाना हुए। बताते हैं कि बुधवार को फैजान की अपने पिता से फोन पर बात हुई थी। इसके बाद ही शकील अहमद बृहस्पतिवार को अहमदाबाद पहुंच गए।

हिंदू छात्रा को पहनाया बुर्का: पीड़िता के बयान दर्ज, पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी, मुस्लिम छात्राओं ने छोड़ा घर

मुरादाबाद में हिंदू छात्रा को बुर्का पहनाने और धर्म परिवर्तन के दबाव के मामले में पुलिस ने पीड़िता के कोर्ट में बयान दर्ज कराए हैं। इसके अलावा कोचिंग सेंटर सहित कई स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आरोपी छात्राओं की तलाश के मामले में पुलिस ने पीड़िता के कोर्ट में की ओर से पीड़िता के बयानों के अवलोकन इसके अलावा पुलिस ने कोचिंग सेंटर से की फुटेज खंगाली है।इसके अलावा आरोपी है। बिलारी थाना क्षेत्र में रहने वाले युवक ने छात्राओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वीं कक्षा में पढ़ती है।वह बिलारी के मोहल्ला थी। इसी सेंटर पर आरोपी पांच छात्राओं भी बुर्का पहनाया और धर्म परिवर्तन के लिए गया था, वहां की फुटेज तो पुलिस को मिल छात्रा को कुछ खिलाने की बात कही गई है आई है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर लगे सीमा बीतने की वजह से डिलीट हो गई है।

बयान दर्ज करा दिए हैं। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि इस मामले में जांच की जा रही है। पीड़िता के बयान दर्ज कराए गए हैं। बयानों और विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिले के 11 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में 50 से भी कम विद्यार्थी

जिले में माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था की हकीकत चिंताजनक है। जिले के 11 ऐसे राजकीय माध्यमिक

विद्यालय हैं, जहां छात्र-छात्राओं की संख्या 50 से भी कम दर्ज है। नामांकन में लगातार आ रही गिरावट के पीछे शिक्षकों की कमी के साथ-साथ लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, खेल मैदान और अन्य बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख कारण माना जा रहा है। यही नहीं, कुछ अर्द्धशासकीय माध्यमिक कॉलेजों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। जिले में कुल 464 माध्यमिक विद्यालय संचालित हैं। इनमें 50 राजकीय, 54 अर्द्धशासकीय और 360 वित्तविहीन विद्यालय शामिल हैं। संख्या के लिहाज से विद्यालयों की स्थिति भले ही बेहतर दिखती हो, लेकिन गुणवत्ता और सुविधाओं के स्तर पर कई राजकीय विद्यालय पिछड़ते नजर आ रहे हैं। इसका सीधा असर विद्यार्थियों और अभिभावकों की पसंद पर पड़ रहा है, जो बेहतर सुविधाओं और शिक्षकों की उपलब्धता के चलते निजी व वित्तविहीन विद्यालयों की ओर रुख कर रहे हैं। जिन 11 विद्यालयों में 50 से कम विद्यार्थियों का पंजीकरण है, उनमें भगतपुर टांडा स्थित राजकीय इंटर कॉलेज ताहमदान, बिलारी के राजकीय हाईस्कूल सिहाली माला और नमेनी गद्दी, डिलारी के राजकीय हाईस्कूल गखरपुर व राजकीय इंटर कॉलेज फरीदपुर, कुंदरकी का राजकीय हाईस्कूल महमूदपुर माफी, मुरादाबाद के राजकीय इंटर कॉलेज शिहाली व उमरी, मूढ़ापांडे का राजकीय हाईस्कूल शहरिया, ठाकुरद्वारा का राजकीय इंटर कॉलेज रामुवाला गणेश और राजकीय हाईस्कूल अब्दुल्ला शामिल हैं।

कई विषयों के शिक्षक वर्षों से तैनात नहीं- इन विद्यालयों में कई विषयों के शिक्षक वर्षों से तैनात नहीं हैं, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। प्रयोगशाला और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं या तो हैं ही नहीं या फिर उपयोग की स्थिति में नहीं हैं। खेल मैदान के अभाव में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास प्रभावित होता है। डीआईओएस देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि शिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा हुई है। उम्मीद है कि जल्द ही शिक्षकों की कमी दूर होगी। इससे विद्यालयों में शैक्षिक माहौल बेहतर होने के साथ नामांकन भी बढ़ेगा।

यूपी बोर्ड परीक्षा...नकल पर लगेगा एआई का पहरा, संदिग्ध हरकत पर बजेगा अलार्म

मुरादाबाद। 18 फरवरी से शुरू होने वाली यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकलविहीन और पारदर्शी एआई तकनीक का सहारा बनाए गए 112 परीक्षा केंद्रों इस संबंध में निर्देश जारी लगाए गए सीसीटीवी से लैस किया जाएगा। ये गतिविधियों पर लगातार परीक्षार्थी की हरकत संदिग्ध तुरंत अलर्ट जारी करेगा और

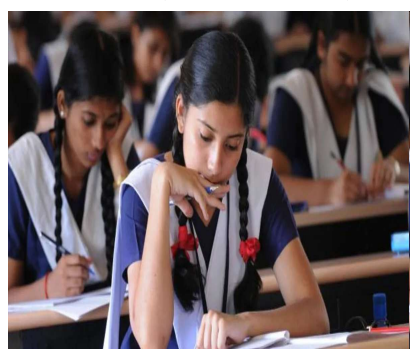

अलार्म बज उठेगा। अलार्म बजते ही सूचना एक साथ यूपी बोर्ड के मुख्य कंट्रोल रूम, क्षेत्रीय कार्यालय और जिला स्तर के कंट्रोल रूम तक पहुंच जाएगी। इस व्यवस्था से किसी भी गड़बड़ी पर बिना समय गंवाए संबंधित अधिकारियों को जानकारी मिल सकेगी। केंद्रों के कैमरे आईडी और पासवर्ड के माध्यम से सीधे बोर्ड के कंट्रोल रूम से जोड़े जाएंगे, जिससे किसी भी तरह की छेड़छाड़ की संभावना नहीं रहेगी। अलर्ट मोड पर रहेगी तकनीकी टीम निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए तीन स्तरों पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। इन कंट्रोल रूम से सीसीटीवी फीड, नेटवर्क की स्थिति और तकनीकी डाटा की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। तकनीकी टीम भी हर समय अलर्ट मोड में रहेगी, ताकि किसी तरह की तकनीकी समस्या आने पर तुरंत समाधान किया जा सके। डीआईओएस देवेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि एआई फीचर से परीक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इस नई व्यवस्था से परीक्षाएं नकलविहीन, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सकेंगी।

सड़क चौड़ीकरण अधूरा, एक साइड गहरी होने से हादसे का डर

लगभग 6 माह पूर्व लोक निर्माण विभाग ने सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू किया था। जो सहसपुर बॉर्डर से छजलैट तक होना है। पुराने रोडवेज पर कांठ से मुरादाबाद दिशा की ओर एक तरफ चौड़ीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। पुराने रोडवेज से रसूलपुर रेलवे क्रासिंग तक की साइड में चौड़ीकरण का कार्य नहीं हुआ है। इस तरफ भूड़ टीवा मंदिर से रसूलपुर रेलवे क्रासिंग तक सड़क की खुदाई कर बजरी बिछा दी है। जो वर्षा के कारण जगह-जगह बैठने से गड्ढे भी हो गए हैं। अब एक साइड गहरी होने के कारण अनेक लोडेड वाहनों के पहिए एक और बैठने से वाहन का संतुलन बिगड़ जाता है और वाहन फंसने के कारण घंटे जाम लगा रहता है। गन्ने से भरे ट्रक पलटने का भय बना रहता है। लोक निर्माण विभाग को एसडीएम कांठ ने आवश्यक स्थान पर सड़क चौड़ीकरण कार्य शीघ्र करने के निर्देश दिए थे। वन विभाग से एनओसी नहीं ले पाया लोक निर्माण विभाग- रसूलपुर रेलवे क्रॉसिंग से छजलैट तक का मार्ग वनसंरक्षित क्षेत्र में आता है। लोक निर्माण विभाग वन विभाग से अभी तक एनओसी नहीं ले पाया है। कुछ समय पूर्व लोक निर्माण विभाग ने वन विभाग को एनओसी दिए बिना पूरा चोरी छिपे शुरू कर दिया था। जिस पर वन विभाग के डिप्टी रेंजर ने जेसीबी को सीज कर दिया था। डिप्टी वन रेंजर पुष्पेंद्र सिंह का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण का कार्य बिना एनओसी दिए करना असंभव है। लोक निर्माण विभाग द्वारा मुरादाबाद हरिद्वार हाईवे पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य अधर में छोड़ने पर सड़क की एक साइड गहरी हो गई है। जिसके कारण जाम लगने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

शाहरुख ने आशीष बन युवती को छला: इंस्टा पर दोस्ती, दुष्कर्म कर बनाया वीडियो, फिर पूरा करने चला अपना मकसद

शाहरुख ने इंस्टाग्राम पर आशीष नाम से फर्जी आईडी बनाकर सिविल लाइंस की युवती से दोस्ती की। दुष्कर्म के बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर निकाह के लिए दबाव बनाया। पीड़िता को कटघर क्षेत्र में बुलाकर दरिंदगी की।अमरोहा के गजरौला निवासी शाहरुख ने इंस्टाग्राम पर आशीष नाम से फर्जी आईडी बनाकर सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाली युवती से दोस्ती कर ली। आरोपी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म भी किया। वीडियो भी बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उस पर निकाह के लिए दबाव बनाया। बृहस्पतिवार की शाम आरोपी पीड़िता को कटघर क्षेत्र के पीतल बस्ती ले गए। इसकी भनक लगते ही शिवसेना और अन्य हिंदू संगठन के कार्यकर्ता पहुंच गए और आरोपी को पकड़कर पिटाई की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।पीड़ित युवती की मां ने कटघर थाने में बृहस्पतिवार की शाम दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी ने इंस्टाग्राम पर अपने नाम से आईडी बना रखी है। करीब दो साल पहले अमरोहा के गजरौला निवासी शाहरुख ने आशीष नाम से फर्जी आईडी बनाकर उसकी बेटी से संपर्क कर लिया। कुछ ही दिन में दोस्ती हो गई। इसके बाद आरोपी ने युवती को बताया कि उसका नाम आशीष नहीं शाहरुख है। कहीं शिकायत की तो वह वीडियो वायरल कर देगा। दरिंदगी के बाद धर्म परिवर्तन और निकाह का बना रहा था दबाव धमकी देकर युवती को कटघर के पीतल बस्ती स्थित मकान में बुला लिया। यहां आरोपी ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने पीड़िता पर दबाव बनाया है कि वह धर्म परिवर्तन कर उससे निकाह कर ले। अगर निकाह नहीं करेगी तो वह उसके भाइयों और पिता की हत्या कर देगा। इसी दौरान वहां शिव सैनिक और अन्य संगठनों के कार्यकर्ता पहुंच गए और उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई की। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि आरोपी शाहरुख के खिलाफ दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। कटघर थाने पर जुटे शिव सैनिक मुस्लिम युवक के साथ हिंदू युवती होने की जानकारी मिलने पर शिव सैनिक पीतल बस्ती पहुंच गए और उन्होंने युवक को पकड़ लिया। युवती से पूछताछ की और उसके परिवार के लोगों से संपर्क कर उन्हें भी बुला लिया। इसके बाद सभी लोग थाने पहुंच गए और मां की ओर से तहरीर दिलाई। शिवसेना के कार्यकर्ता शिबू पांडे, जीतू, अरुण ठाकुर, उमेश ठाकुर, नितेश सिंह, प्रमोद भाई, विशाल सैनी,जितेंद्र पासी, धर्मपाल सिंह,सुरेश सैनी, अशोक सैनी भी मौजूद रहे।

1331 खनन वाहनों की जांच, 11 वाहनों के किया चालान

जिले में अवैध उप-खनिज खनन, अनधिकृत परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर कड़ी निगरानी और कार्रवाई जारी है। बुधवार रात को जांच टीम ने 1331 खनन वाहनों की जांच की और 11 वाहनों पर कार्रवाई की गई।जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार बुधवार रात को जिले की सभी तहसीलों में प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर 10 चेक प्वाइंट स्थापित कर रात 8 बजे से प्रात: 7 बजे तक विशेष जांच अभियान चलाया। प्रशासन, पुलिस एवं परिवहन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा कुल 1331 वाहनों की जांच की गई, जिसमें नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 11 वाहनों पर चालान की कार्यवाही की गई। जिलाधिकारी ने लेखपालों एवं कानूनगो को जिले में कहीं भी मानक से अधिक मिट्टी उठान अथवा अवैध खनन पाए जाने पर जुर्माना एवं एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर अवैध खनन की गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखें। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग से संबंधित किसी भी गतिविधि को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अवैध खनन को लेकर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

रेलवे कर्मचारी की सतर्कता से टली बड़ी रेल दुर्घटना

GM ने किया 'सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ' से सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री उदय बोरवणकर ने संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन कर्मचारियों को सम्मानित किया। 28 जनवरी 2026 को महाप्रबंधक सभाकक्ष में आयोजित समारोह के दौरान उन्हें 'सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ' की उपाधि, नगद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर इज्जतनगर मंडल के मन्धना स्टेशन पर तैनात इलेक्ट्रिक सिगनल मेंटेनर श्री देवानन्द कुशवाहा के कार्य की विशेष रूप से सराहना की गई। 3 नवंबर 2025 को चैबेपुर स्टेशन मास्टर द्वारा यार्ड क्षेत्र में सिगनल फेल होने की सूचना मिलने पर उन्होंने ट्रैक सर्किट

की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान ट्रैक वेल्डिंग में दरार दिखाई दी, जिसकी जानकारी उन्होंने तत्काल स्टेशन मास्टर को दी। समारोह में मंडल रेल प्रबंधक सुश्री वीणा सिन्हा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मनोज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों ने श्री कुशवाहा की प्रशंसा करते हुए उनके कार्य को प्रेरणादायक बताया और उनका उत्साहवर्धन किया।

बरेली बलवे की एफएसएल रिपोर्ट ने खोली खौफनाक साजिश, मौलाना तौकीर रजा की और बढ़ीं मुश्किलें

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बीते 26 सितंबर को बरेली में हुए बवाल को लेकर मौलाना तौकीर रजा और उनके साथियों की कानूनी मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। इस मामले में आई फॉरेंसिक साइंस लैब (स्न्नस्रु) की रिपोर्ट ने हिंसा की भयावहता और साजिश की परतें खोलकर रख दी हैं। रिपोर्ट में साफ तौर पर पुष्टि हुई है कि बलवा के दौरान उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर पेट्रोल बम और तेजाब से हमला किया था।

जांच के दौरान घटनास्थल से जो अवशेष बरामद किए गए, उनमें शीशे के टुकड़े, पेट्रोल के अंश और तेजाब के रासायनिक तत्व पाए गए हैं। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह कोई सामान्य झड़प नहीं, बल्कि सुनियोजित

और घातक हमला था। रिपोर्ट के मुताबिक, उपद्रवियों ने न सिर्फ पुलिस पर जमकर पथराव किया, बल्कि जानलेवा मंशा से पेट्रोल बम फेंके और एसिड अटैक तक किया गया।

इस हिंसा में एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए थे। हालात इतने बेकाबू हो गए थे कि उपद्रवियों ने पुलिस का वायरलेस सेट और एंटी-रायट गन तक छीन ली। स्न्नस्रु रिपोर्ट ने इन घटनाओं की भी पुष्टि कर दी है, जिससे पुलिस के दावे और मजबूत हो गए हैं।

एसएसपी अनुराग आर्य ने स्न्नस्रु रिपोर्ट की पुष्टि करते हुए कहा कि वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अब विवेचना को और मजबूती से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

रिपोर्ट के सामने आने के बाद यह मामला अब और गंभीर हो गया है। आने वाले दिनों में इस बलवे को लेकर पुलिस की कार्रवाई और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नरपतनगर के छोरे को गुजरात ए टी एस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / नाजिम अंसारी/ स्वर/ आतंकवादी गतिविधियों के शक में उत्तरप्रदेश के जनपद रामपुर की नगर पंचायत नरपतनगर के छोरे को गुजरात ए टी एस ने किया गिरफ्तार, फैजान

का क्या है सच? यूपी ए टी एस करेगी पूछताछ, उसके मोबाईल खोलेंगे राज = कुछ विदेशी हथियार भी बरामद हुए है

बोर्ड परीक्षा के लिए आए प्रश्न पत्रों की सीसीटीवी से होगी 24 घंटे निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश हाईस्कूल और इंटर बोर्ड की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च तक होंगी। नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए हर परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती होगी। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील केंद्रों पर विशेष नजर रखी जाएगी। जरूरत पड़ने पर एसटीएफ की मदद ली जाएगी। प्रश्नपत्र स्ट्रांग रूम, डबल लॉक अलमारी में रखे जाएंगे। सीसीटीवी कैमरों की जरिये 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी। सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। इस संबंध में मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। कड़ी सुरक्षा में केंद्रों पर परीक्षा होगी। निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षाओं की शुचिता, गोपनीयता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आशंका जताई है कि परीक्षा के दौरान कुछ परीक्षार्थी और उनके समर्थक अनुचित साधनों का प्रयोग, केंद्रों पर हंगामा, धमकी या हिंसा जैसी घटनाएं कर सकते हैं। इसे देखते हुए पुलिस- प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लागू करने और परीक्षा केंद्रों के एक किलोमीटर के भीतर फोटो कॉपी व स्कैनर संचालन पर रोक लगाने को कहा गया है। नकल, प्रश्नपत्र लीक में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक जनपद को जोन और सेक्टर में बांटकर सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जाएगी। प्रश्नपत्रों और उत्तरपुस्तिकाओं का परिवहन और भंडारण पुलिस अभिरक्षा में होगा।

अमर शहीदों की स्मृति पर एसपी ट्रैफिक सहित पुलिस प्रशासन ने दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । पुलिस लाइन स्थित यातायात कार्यालय पर शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की

स्मृति के शहीद दिवस पर पर अपर पुलिस अधीक्षक यातायात मोहमद अकमल खां , के नेतृत्व में पुलिस कार्यालय पर के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर 2 मिनट का मौन धारण कर याद किया ।

ऐतिहासिक होली मिलन समारोह चार मार्च को

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। द हिन्दू सोशल सर्विस ट्रस्ट की बैठक शुक्रवार को प्रेमशंकर अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्व सम्मति से कई निर्णय लिए गए। मेला संयोजक राजेश जौली ने बताया कि 80वां होली मिलन समारोह चार मार्च को शाम चार बजे से श्री गुलाबराय स्कूल में आयोजित किया जाएगा। कहा कि इस ऐतिहासिक मेले में लगने वाले शिविरों के शुल्क में कोई भी किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की गई है तथा शिविरों की बुकिंग प्रारंभ हो गई है। सामाजिक, राजनैतिक एवं सर्वधर्म समभाव की अवधारणा को लेकर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक होली मिलन समारोह का उदघाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के कर कमलों से होगा। समारोह की तैयारियों पर चर्चा करके पदाधिकारियों ने मेला स्थल का निरीक्षण भी किया। बता दें कि सामाजिक एकजुटता के प्रतीक होली मिलन समारोह के आयोजन की शुरुआत चौधरी तालाब से हुई थी, जिसका उदघाटन प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री रहे पंडित गोविंद वल्लभ पंत ने किया था। बैठक में पंकज अग्रवाल, जीके अग्रवाल, रोहित मेहरा, शिव शंकर अग्रवाल, संजय अग्रवाल आदि रहे।

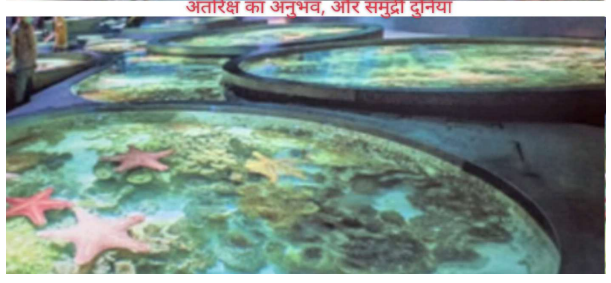

बरेली में मिलेगा अंतरिक्ष का अनुभव , समुद्री दुनिया भी देख सकेंगे लोग, मिलीं तीन बड़ी सौगात

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर को इस साल के अंत तक स्पेस म्यूजियम, मरीन पार्क और नक्षत्रशाला की सौगात मिलने जा रही है। प्रदेश कैबिनेट ने इसकी मंजूरी दे दी है। रामगंगानगर परियोजना के सेक्टर आठ में साइंस पार्क और नक्षत्र शाला के लिए 5.33 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है।

जिसमे पता चलेगा कि हमारा ब्रह्मांड कैसा है, समुद्री जैव विविधता कैसी होती है, और अंतरिक्ष में उपग्रह कैसे काम करते हैं। यह सब देखने और समझने का सपना अब बरेली में ही साकार हो सकेगा।

बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) प्रशासन के मुताबिक, शहरवासियों को इस साल के आखिरी तक स्पेस म्यूजियम, मरीन पार्क और नक्षत्रशाला की सौगात मिल जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ कैबिनेट की बैठक में इसे मंजूरी दी गई। शासन स्तर से बीडीए को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है।

बीडीए प्रशासन के अनुसार, रामगंगानगर परियोजना के सेक्टर आठ में साइंस पार्क और नक्षत्रशाला के लिए 5.33 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है। 3,000 वर्गमीटर जमीन पर लगभग 47 करोड़ रुपये की लागत से नक्षत्रशाला का खाका खींचा जाएगा। 8,988 वर्ग मीटर

अंतरिक्ष का अनुभव, और समुद्री दुनिया

जमीन पर 56.78 करोड़ रुपये से मरीन पार्क तैयार किया जाएगा। इसके अलावा 7,605 वर्गमीटर जमीन पर 35.26 करोड़ रुपये की लागत से स्पेस म्यूजियम तैयार किया जाएगा। अत्याधुनिक तकनीक से लैस तीनों पार्कों का निर्माण बीडीए और प्रदेश सरकार मिल कर कराएंगे।

बीडीए प्रशासन के अनुसार, स्पेस म्यूजियम उपग्रहों और रॉकेटों के साथ ही अंतरिक्ष से संबंधित शोध की जानकारी देगा। यहां रॉकेट मॉडल, मंगलयान, चंद्रयान और ब्रह्मांड के रहस्यों को थ्री-डी शो के माध्यम से समझा जा सकेगा। नक्षत्रशाला में खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष से जुड़ी चीजों को समझने में आसानी होगी।

तारों, ग्रहों और ब्रह्मांड के रहस्यों को दिखाने के लिए टू-डी और थ्री-डी शो का सहारा लिया जाएगा। इससे नक्षत्रशाला में आने वाले अंतरिक्ष का अनुभव कर सकेंगे। इसी तरह मरीन पार्क समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, समुद्री जीवों और प्रवाल भित्तियों की नजदीक से जानकारी देगा। यहां आने वाले लोगों को यह सीख भी मिल सकेगी कि मानवीय गतिविधियों पर नियंत्रण रखकर पर्यावरण की रक्षा कैसे की जाती है। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए. ने बताया कि साइंस पार्क के लिए हम कदम आगे बढ़ा चुके हैं। अन्य दो प्रोजेक्ट के लिए जल्द ही जरूरी कार्रवाई शुरू की जाएगी। पूरा प्रयास रहेगा कि इस साल के आखिरी तक हम तीनों प्रोजेक्ट आमजन को समर्पित कर दें। हमारा उद्देश्य है कि महानगरों की तरह बरेली की युवा पीढ़ी भी तकनीक के इस दौर में आगे बढ़े। यहां के युवा खुद को किसी से पीछे न पाएं।

प्रधानाचार्य के साथ मारपीट ,निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी।क्षेत्र के अलियाबाद गांव स्थित सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में क्षेत्र के स्कूल संचालकों व प्रधानाचार्यों की बैठक हुई । बैठक में प्रधानाचार्य अशोक कुमार सूर्य वंशी के साथ हुई घटना की घोर निंदा की गई। विद्याभारती के प्रदेश निरीक्षक हेमराज सिंह द्वारा अपने संबोधन में कहा कि हम लोग कोई भी अंबेडकर साहब का चित्र फाड़ने के आरोप गलत लगाए गए हैं। विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर अच्छी शिक्षा देते हैं। हम लोग कम फीस लेते

हैं । इन स्कूलों से अच्छे-अच्छे पद पर लोग सुसज्जित हैं। झूठी अफवाह पर हमारे प्रधानाचार्य अशोक कुमार सूर्य वंशी के साथ मारपीट करना निंदनीय है। प्रशासन से निवेदन है कि निष्पक्ष कार्रवाई की जाए तथा सरकार से मांग करता हूं । जो भी फर्जी आर्मी देश में चल रही है उसको तत्काल बंद किया जाए। असली आर्मी तो हमारे देश और हमारी सुरक्षा में लगी है । हम सभी लोग शिक्षकों के साथ खड़े हैं।उक्त बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश निरीक्षक हेमराज सिंह, संभागीय निरीक्षक यशपाल सिंह ,संकुल प्रमुख प्रधानाचार्य इंद्रजीत सिंह ,अजय प्रताप सिंह , डायरेक्टर एमएल अकादमी सुनील कुमार यादव , गजेंद्र पाल सिंह ,चंद्रप्रकाश उर्फ नीटू जी, गजेंद्र चौधरी, भानु प्रताप , शीतल प्रताप आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध स्टैंड पर पुलिस का शिकंजा , बदायूं रोड से शुरू हुआ अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आए दिन शहर की सड़कों पर जाम , अव्यवस्था और अवैध वसूली का कारण बन चुके अवैध स्टैंडों पर ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई ठान ली है । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में ट्रैफिक पुलिस ने शुरुआत कर दी है । अभियान का सर्वप्रथम बदायूं रोड स्थित गन्ना मिल के पास संचालित अवैध स्टैंड पर हुआ, जहां सख्त कार्रवाई कर साफ संदेश दे दिया गया कि अब सड़क पर मनमानी नहीं चलेगी

अभियान के पहले ही दिन ट्रैफिक पुलिस ने गन्ना मिल क्षेत्र में अवैध रूप से खड़े ऑटो, टेंपो और अन्य वाहनों को हटवाया। मौके पर 20 वाहनों का चालान किया गया। कार्रवाई को देखकर कई चालक अपने वाहन लेकर मौके से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने चेतावनी दी कि दोबारा अवैध स्टैंड पर वाहन खड़ा मिला तो सीधे सीज की कार्रवाई की जाएगी। ट्रैफिक अधीक्षक ने बताया कि कार्रवाई केवल स्टैंड हटाने तक सीमित नहीं रहेगी। जहां-जहां अवैध स्टैंड संचालित हो रहे हैं, वहां से अवैध वसूली करने वालों की भी पहचान की जा रही है। ऐसे तत्वों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होना निश्चित है। कुछ संचालक जनप्रतिनिधियों का नाम लेकर अवैध स्टैंड चला रहे हैं, लेकिन अब जनप्रतिनिधियों ने भी ऐसे लोगों पर कार्रवाई का समर्थन किया है। एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान ने बताया कि अभियान को प्रभावी बनाने के लिए शहर को चार जोन में बांटा गया है। चार जोन प्रभारी और उनके सहायक अधिकारियों के नेतृत्व में कुल आठ टीमें गठित की गई हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध स्टैंड और अतिक्रमण के खिलाफ लगातार कार्रवाई करेंगी। इन चौराहों पर होगी अगली कार्रवाई आने वाले दिनों में चौकी चौराहा , सेटेलाइट, पटेल चौक, चौपला, आदिनाथ चौकज्ज्सहित शहर के अन्य प्रमुख चौराहों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान 15 दिनों तक चलेगा, और समय समय पर कार्रवाई होती रहेगी । इसे स्थायी व्यवस्था के रूप में लागू किया जाएगा ताकि शहर को जाम और अव्यवस्था से स्थायी राहत मिल सके। नियम तोड़ने वालों के प्रति होगी सख्त कारवाही ।

यूपी सर्राफा व्यापारी एसोशिएशन का हुआ भव्य शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सर्राफा कारोबारियों के हितों की रक्षा के लिए बरेली से एक नई और सशक्त पहल की शुरुआत हुई है। सिविल लाइंस स्थित होटल डी ग्रांड में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान 'यूपी सर्राफा व्यापारी एसोसिएशन (रजि .)' के गठन की औपचारिक घोषणा की गई। इस मौके पर व्यापारियों ने एक सुर में कहा- अब व्यापार पर आंच आई तो पूरी बिरादरी एक साथ मैदान में उतरेगी। बैठक में साफ संदेश दिया गया कि सर्राफा कारोबारियों के साथ किसी भी तरह का उत्पीड़न अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हर मुद्दे पर संगठित होकर निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। सेठ प्रताप चंद सेठ (लाला काशीनाथ ज्वैलर्स), प्रेम प्रकाश अग्रवाल (सत्य प्रकाश वीरेंद्र प्रकाश सर्राफ) और विनीत रस्तोगी (ङ्क.ङ्क. ज्वैलर्स) को संगठन का संरक्षक मनोनीत किया गया। संरक्षक प्रेम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य पद ही नहीं, बल्कि व्यापारियों की निस्वार्थ सेवा ही धर्म है। अनिल पाटिल (श्री सिद्धि विनायक ज्वैलर्स) को सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष चुना गया, जबकि विशाल मेहरोत्रा (मेहरोत्रा एंड संस) को बरेली मंडल अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा सुशील बंसल को जिला अध्यक्ष, संजीव अग्रवाल को महानगर अध्यक्ष और रामनारायण गुप्ता (मीरगंज) को जिला प्रभारी नियुक्त किया गया। प्रदेश अध्यक्ष अनिल पाटिल ने बताया कि सर्राफा व्यापारियों को अक्सर आईपीसी की धारा 411 और बीएनएस की धारा 317 के तहत अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। संगठन इन कानूनी जटिलताओं के स्थायी समाधान के लिए प्रशासन और शासन स्तर पर प्रभावी पहल करेगा। इसके साथ ही सोने-चांदी की शुद्धता, बाजार भाव की पारदर्शिता और नियमित अपडेट भी व्यापारियों तक पहुंचाए जाएंगे। मंडल अध्यक्ष विशाल मेहरोत्रा और महानगर अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कहा कि बढ़ती कीमतों और सुरक्षा जोखिमों के बीच व्यापार करना कठिन होता जा रहा है। संगठन व्यापारियों की सुरक्षा, बीमा, और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगा। जिला अध्यक्ष सुशील बंसल ने कहा कि गिरवी रखे आभूषणों से जुड़े विवादों का समाधान संगठन की प्राथमिकता रहेगा संगठन में बरेली और आसपास के क्षेत्रों के 50 से अधिक प्रमुख व्यापारियों को जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश, मंडल, महानगर और जिला स्तर पर महामंत्री, उपाध्यक्ष, मंत्री और कार्यकारिणी सदस्यों की विस्तृत टीम गठित की गई

जिलाधिकारी ने कम्पोजिट विद्यालय सिसवा का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। भिनगा विकासखण्ड हरिहरपुररानी के अन्तर्गत कम्पोजिट विद्यालय सिसवा का जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय की कक्षा में जाकर निरीक्षण किया जिसमें पाया गया कि विद्यालय में कक्षा 01 से 05 तक की परीक्षाएं चल रही है। इस दौरान जिलाधिकारी ने दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की भी छात्र-छात्राओं से बात कर परखा उन्होने उपस्थित शिक्षिका से छात्र-छात्राओं हेतु खेल सामग्री तथा सभी 18 पैरामीटर्स के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होने विद्यालय में बने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की भी जानकारी ली इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर मेंसाफ-सफाई, किचन, पेयजल, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का भी गहन निरीक्षण किया और सभी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित ढंग से रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने शासन की प्राथमिकता की में शामिल स्मार्ट क्लास योजना की जमीनी हकीकत परखी और पठन पाठन की गुणवत्ता का जायजा लिया जिसमें पाया गया कि स्मार्ट क्लास परीक्षा के दृष्टिगत बन्द है इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थिति शिक्षिका से अपने सामने ही स्मार्ट क्लास संचालित भी कराया। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने इंटरनेट उपलब्धता तथा पढ़ाई हेतु उपलब्ध कंटेंट के बारे में भी जानकारी ली जिस पर अध्यापिका द्वारा अवगत कराया गया कि क्लास का संचालन आनलाइन माध्यम से ही किया जाता है आफलाइन कंटेंट उपलब्ध नहीं है। जिलाधिकारी ने कहा कि डिजिटल शिक्षा से ही बच्चों का भविष्य निखरेगा इसलिए शिक्षा की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होने निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि स्मार्ट क्लास का उपयोग केवल औपचारिकता न हो बल्कि प्रत्येक दिन टाइम-टेबल के अनुसार कक्षाएं संचालित हों। बिजली और इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ-साथ उपकरणों की सुरक्षा और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। निरीक्षण के दौरान ही जिलाधिकारी ने विद्यालय में बने आंगनवाड़ी केन्द्र का भी निरीक्षण किया तथा सभी व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित रखने का निर्देश दिया।

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा द्वारा शहीद दिवस पर दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में दिनांक 30 जनवरी 2026 को 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा एवं वाहिनी की वाह्य सीमा चौकियों में 30 जनवरी (शहीद दिवस) को दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को याद किया गया। तत्पश्चात कमांडेंट वरुण ने इस अवसर पर समस्त कार्मिकों को अवगत कराया कि शहीद दिवस केवल गांधी जी को याद करने का दिन नहीं है, बल्कि उन सभी वीर सपूतों को नमन करने का दिन है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता, अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हमें अहिंसा, सत्य और प्रेम का मार्ग दिखाया उन्होंने बिना हथियार उठाए, केवल सत्य और साहस के बल पर एक साम्राज्य को झुका दिया। कमांडेंट वरुण ने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम ईमानदार, जिम्मेदार और देशभक्त नागरिक बने। अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करें और एक बेहतर भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। आइए आज हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम उन वीर सपूतों के बलिदान को याद कर उनके सपनों का भारत बनाएंगे - एक ऐसा भारत जहां सत्य, अहिंसा और मानवता सर्वोपरि हों। इस अवसर पर सोनू कुमार, उप कमांडेंट, गोवर्धन पुजारी, उप कमांडेंट अधीनस्थ अधिकारीगण एवं जवान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

62वीं वाहिनी एसएसबी द्वारा ग्राम तरुसमा में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के नेतृत्व एवं दिशा-निर्देशन में 'एफ' समवाय मुख्यालय तुरुसमा के अंतर्गत ग्राम-तुरुसमा में एक पशु चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया।

उक्त शिविर का संचालन डॉ. ए. के. सिन्हा, कमांडेंट (पशु चिकित्सा) सीमांत मुख्यालय लखनऊ द्वारा किया गया। शिविर के दौरान ग्राम तरुसमा के कुल 35 पशुपालकों के 143 पशुओं की स्वास्थ्य जाँच की गई। साथ ही पशुओं को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान करते हुए मुफ्त दवाओं का वितरण भी किया गया।

डॉ. ए. के. सिन्हा कमान्डेंट(पशु चिकित्सा) द्वारा पशुपालकों को पशुओं के पोषण, टीकाकरण, रोगों की पहचान एवं उनसे बचाव के उपायों के संबंध में भी उपयोगी जानकारी दी गई, जिससे ग्रामीण पशुपालकों में पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल द्वारा किए जा रहे इस जनकल्याणकारी प्रयास की सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की। यह कार्यक्रम सीमा क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के साथ सशस्त्र सीमा बल के मधुर एवं विश्वासपूर्ण संबंधों को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

ओडगी के कुप्पा उत्कृष्ट कार्यों हेतु शिक्षकों का नागरिक सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / ओड़गी। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर ग्राम पंचायत कुप्पा में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला कुप्पा के शिक्षकों का जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों द्वारा नागरिक अभिनंदन किया गया। इस सम्मान समारोह में सरपंच, उपसरपंच, पंचगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच श्रीमती सुखमनिया देवी ने कहा कि संकुल केंद्र कुप्पा के शैक्षिक समन्वयक श्री राकेश गुर्जर के मार्गदर्शन में विद्यालय के सभी शिक्षक उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षकगण नियमित रूप से विद्यालय संचालन कर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ अनुशासन और नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी प्रदान कर रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि शिक्षकों द्वारा सतत पालक संपर्क कर बच्चों की विद्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। एसएमसी बैठकों और पालक-शिक्षक बैठकों (क्क्षरू) के माध्यम से जनसमुदाय को विद्यालय विकास से जोड़ा जा रहा है, जिससे शिक्षा का स्तर निरंतर बेहतर हो रहा है। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि जो कुप्पा गांव कभी शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा माना जाता था, आज वही गांव शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी ग्रामों में गिना जाने लगा है, और इसका श्रेय शिक्षकों के समर्पण और मेहनत को जाता है। इस अवसर पर श्री राकेश गुर्जर (प्रधानपाठक, माध्यमिक शाला कुप्पा एवं संकुल शैक्षिक समन्वयक), श्री इतवार सिंह पैकरा (शिक्षक), श्री मुकेश बन्दे (शिक्षक), श्रीमती सीमा सिंह (प्रधानपाठक, प्राथमिक शाला कुप्पा), श्री नान्हू राम राजवाड़े (सहायक शिक्षक) तथा श्री सनत कुमार राजपूत (सहायक शिक्षक) को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त शिक्षकों ने जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

चार दिनों से बंद पड़ी पढ़ाई: शिक्षक गायब, बच्चे खेलकर लौट रहे घर

ग्रामीणों ने बनाया पंचनामा, जिला प्रशासन से की सख्त कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / ओडगी/ चांदनी बिहारपुर। शिक्षा के अधिकार और सरकारी योजनाओं के दावों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कछिया स्थित प्राथमिक शाला पडवाडी में बीते चार दिनों से शिक्षक स्कूल नहीं पहुंच रहे हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है। स्कूल आने वाले नन्हे छात्र-छात्राएं रोज की तरह बस्ता लेकर विद्यालय तो पहुंचते हैं, लेकिन शिक्षक अनुपस्थित होने के कारण उन्हें पढ़ाने वाला कोई नहीं होता।

मजबूरी में बच्चे स्कूल परिसर में खेलकूद कर समय बिताते हैं और फिर निराश होकर घर लौट जाते हैं। बच्चों ने बताई सच्चाई- विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों ने बताया कि पिछले चार दिनों से कोई भी शिक्षक स्कूल नहीं आया। बच्चों का कहना है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ, बल्कि अक्सर शिक्षक अनुपस्थित रहते हैं, जिससे पढ़ाई नियमित रूप से प्रभावित होती है। अभिभावकों और ग्रामीणों में आक्रोश- शिक्षा व्यवस्था की इस लापरवाही को लेकर ग्रामीणों और अभिभावकों में भारी नाराज़गी है। उनका कहना है कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर बच्चों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय में पदस्थ शिक्षक अक्सर बिना सूचना के अनुपस्थित रहते हैं। इस कारण बच्चों की बुनियादी शिक्षा पर बुरा असर पड़ रहा है। कई अभिभावकों ने चिंता जताई कि अगर यही हाल रहा तो बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह चौपट हो जाएगी।

ग्रामीणों ने मौके पर बनाया पंचनामा- स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने स्कूल पहुंचकर पंचनामा तैयार किया, जिसमें उल्लेख किया गया कि चार दिनों से विद्यालय में शिक्षक नहीं पहुंचे हैं। पंचनामा में सुखराम सिंह, सोना सिंह, भानु प्रताप, देवशरण सिंह, रीता सिंह (पंच), विजय प्रताप, संमल बहादुर सिंह और सुरेंद्र सिंह के हस्ताक्षर दर्ज हैं। ग्रामीणों ने लिखित रूप से यह भी उल्लेख किया कि यहां के शिक्षक अक्सर विद्यालय से नदारत रहते हैं और शिक्षा व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। जांच और कार्रवाई की मांग- ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की शिकायत जिला प्रशासन तक पहुंचाने की तैयारी कर ली है। उन्होंने जिला कलेक्टर और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर दोषी शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा स्कूल में नियमित पढ़ाई सुनिश्चित की जाए। बच्चों का भविष्य दांव पर शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि प्राथमिक स्तर पर पढ़ाई में रुकावट बच्चों की नींव को कमजोर कर देती है। ऐसे में शिक्षकों की लापरवाही सीधे तौर पर बच्चों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कब तक स्कूल में नियमित शिक्षण व्यवस्था बहाल होती है। फिलहाल, गांव के नौनिहाल पढ़ाई की जगह मैदान में खेलते नजर आ रहे हैं - और यही तस्वीर ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था की हकीकत बयां कर रही है।

एलबी संवर्ग शिक्षकों की पूर्व सेवा जोड़कर पेंशन देने की मांग, टीचर्स एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / ओड़गी। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने प्रदेश में एलबी संवर्ग के शिक्षकों की संविलियन से पूर्व की सेवा अवधि को पेंशन निर्धारण में जोड़ने की मांग को लेकर अभियान शुरू कर दिया है। प्रांताध्यक्ष संजय शर्मा, प्रांतीय महामंत्री रंजय सिंह, प्रांतीय प्रचार सचिव अजय सिंह तथा जिला अध्यक्ष भूपेश सिंह के निर्देशन में चरणबद्ध तरीके से ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं। एसोसिएशन की योजना के तहत पहले प्रदेश के सभी 146 विकासखंडों में ज्ञापन सौंपा जाएगा, इसके बाद जिला स्तर पर ज्ञापन देकर जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सहयोग मांगा जाएगा। इसी क्रम में सूरजपुर जिले के विभिन्न विकासखंडों में ब्लॉक अध्यक्षों व पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपकर पेंशन में पूर्व सेवा की गणना की मांग रखी। ओड़गी विकासखंड में बिनोद केराम के नेतृत्व में जिला एवं ब्लॉक पदाधिकारियों तथा सदस्यों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

टीचर्स एसोसिएशन ओड़गी ब्लॉक के सचिव राकेश गुर्जर ने बताया कि संविलियन से पहले की सेवा अवधि को पेंशन में शामिल नहीं किए जाने के कारण एलबी संवर्ग के कई शिक्षक सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक संकट झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ विद्यालयों में पूरी सेवा देने के बावजूद शिक्षकों का बिना पेंशन के सेवानिवृत्त होना अत्यंत दुखद है। शासन-प्रशासन को इस विषय पर संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। इस अवसर पर रोशन गुर्जर, विश्वनाथ राम, सिद्धेश्वर सिंह, एन्द्रप्रसाद, राजेश्वर सिंह, उत्तमचंद गुर्जर, दया राम, पूरन राजवाड़े, त्रिभुवन गुर्जर, चन्द्रभवन कवर, गणेश सिंह, देवेंद्र आजाद, महेन्द्र पैकरा, रमेश गुर्जर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों ने मरीजों का हालचाल जान किया फलदान

क्यूँ न लिखूँ सच / ओड़गी - राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि 30 जनवरी को शहीद दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय ओड़गी की योजना (रासेयो) इकाई द्वारा स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी में सेवा आयोजित की गई। इस स्वयंसेवकों ने अस्पताल में हालचाल जाना तथा उनके लाभ की कामना करते हुए किए। कार्यक्रम में के स्वयंसेवक बाली रजवाड़े तृतीय वर्ष), प्रिया यादव, पूनम सिंह और सविता यादव सक्रिय रूप से शामिल रहे। सेवा कार्य का निर्देशन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य रंजीत कुमार सातपुते द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. राहुल साव, डॉ. अनिल पांडे, डॉ. सुजीत भौमिक, गंगा राम तथा समीर सिंह ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। शहीद दिवस पर आयोजित इस सेवा कार्य ने मानवता और समाजसेवा की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

आंगनबाड़ी चयन में भ्रष्टाचार... की गई 1.40 लाख की उगाही, दो बाबू और बिचौलिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज

यूपी के बलरामपुर में तुलसीपुर सीडीपीओ कार्यालय में भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। मामले में दो लिपिकों के खिलाफ निलंबन की संस्तुति की गई है। साथ ही बिचौलिया समेत तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।यूपी के बलरामपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चयन प्रक्रिया में गंभीर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। तुलसीपुर के ग्राम लालबोझी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती प्रक्रिया-2025 के दौरान चयन के नाम पर अवैध धन वसूली की गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति के लिए रूबी सिंह से सीडीपीओ कार्यालय के दो बाबूओं ने एक बिचौलिए के माध्यम से 1.40 लाख रुपये की रिश्वत ली। शिकायत पर जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने जांच कराई। इसमें आरोपों की पुष्टि हुई। डीपीओ इफ्तखार अहमद ने परियोजना के दो बाबुओं और बिचौलिये के खिलाफ नगर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है।आंगनबाड़ी चयन में धन उगाही की शिकायत रूबी सिंह के पति महेंद्र प्रताप सिंह ने जिलाधिकारी से की थी। डीएम ने पांच सदस्यीय जांच समिति में जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, सीडीपीओ हरैया सतघरवा तथा सीडीपीओ बलरामपुर देहात को शामिल किया गया। डीपीओ ने बताया कि जांच समिति की जांच में यह तथ्य सामने आया कि परियोजना कार्यालय तुलसीपुर में तैनात परियोजना लिपिक जमुना प्रसाद एवं जिले में तैनात तत्कालीन आंगनबाड़ी नियुक्ति पटल के बाबू रामसूचित वर्मा ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शिकायतकर्ता से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चयन के लिए एक लाख चालीस हजार रुपये की धनराशि ली। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि इस पूरे प्रकरण में बिचौलिया मुन्नालाल जायसवाल की सक्रिय व महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसने धनराशि के लेन-देन में मध्यस्थता की। जांच समिति ने अपनी संस्तुति में यह भी कहा है कि चयनित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के आय प्रमाण पत्र की तहसील स्तर से पुनः जांच कराई जाए। ताकि, यह सुनिश्चित किया जा सके कि चयन प्रक्रिया नियमों एवं पात्रता मानकों के अनुरूप हुई है या नहीं। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिलाधिकारी ने कार्रवाई के आदेश दिए। डीपीओ ने बताया कि मामले में परियोजना लिपिक जमुना प्रसाद, पटल बाबू रामसूचित वर्मा तथा बिचौलिया मुन्नालाल जायसवाल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करा दी गई है। साथ ही दोनों बाबुओं के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई प्रचलित की गई है।

रायपुर में संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह में पं. अजय शरण देवाचार्य जी ने किया गो सेवा सम्मान आह्वान अभियान का समर्थन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रवीण शर्मा/ रायपुर। श्री राधा कृष्ण मंदिर, टाटीबंध, रायपुर प्रांगण में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ के दौरान वृंदावन धाम से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक पं. अजय शरण देवाचार्य जी ने गो सेवा सम्मान आह्वान अभियान का समर्थन करते हुए गो माता की सेवा, सुरक्षा एवं संवर्धन को समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। अपने प्रवचन में पं. देवाचार्य जी ने कहा कि अब केवल गो माता की जय कहने से भी आगे बढ़कर गो माता की निष्काम सेवा करने का समय है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक हिंदू परिवार को गो सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गो सेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है। गो माता की रक्षा एवं सम्मान के लिए समाज को संगठित होकर आगे आना होगा। उन्होंने गो सेवा सम्मान आह्वान अभियान की सराहना करते हुए इसे धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित से जुड़ा एक महत्वपूर्ण जनआंदोलन बताया। यह धार्मिक आयोजन 24 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक श्री राधा कृष्ण मंदिर, टाटीबंध, रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2ः00 बजे से संध्या 6ः00 बजे तक संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। कथा के दौरान श्रीकृष्ण बाल लीला, ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद चरित्र, रुक्मिणी विवाह, गोवर्धन पूजा सहित अनेक महत्वपूर्ण प्रसंगों का भावपूर्ण एवं संगीतमय वर्णन किया जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। समापन दिवस 31 जनवरी को गीता पाठ, तुलसी विवाह, हवन, भगवान विष्णु-लक्ष्मी एवं गऊ माता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साथ सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा।आयोजक समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

थाना सेक्टर-113 नोएडा पुलिस द्वारा मोबाइल फोन स्नैच करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / सोनू / नोएडा, गौतम बुद्ध नगर / कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस का सराहनीय कार्य थाना सेक्टर-113 नोएडा पुलिस द्वारा मोबाइल फोन स्नैच करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से लूट/चोरी के 23 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त 02 मोटरसाइकिल बरामद। दिनांक 29.01.2026 को थाना सेक्टर-113 पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से मोबाइल फोन स्नैच करने वाले दो अभियुक्त 1.इरशाद उर्फ मिच्चू पुत्र इदरीश 2.जुलफाम पुत्र नूरुद्दीन को सेक्टर-123 से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तो के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 02 मोटरसाइकिल 1.ञ्ज्ञरू ष्ठ्यश्व (बिना नम्बर प्लेट) 2.बजाज पल्सर ह्250 (बिना नम्बर प्लेट) व लूट/चोरी के 23 मोबाइल फोन बरामद हुए है। अभियुक्तों का विवरण- 1-इरशाद उर्फ मिच्चू पुत्र इदरीश निवासी प्रेमनगर, थाना लोनी, गाजियाबाद उम्र करीब 27 वर्ष शिक्षा कक्षा-5 2-जुलफाम पुत्र नूरुद्दीन निवासी मौहल्ला इकरामनगर, थाना लोनी, गाजियाबाद उम्र करीब 26 वर्ष शिक्षा कक्षा-6 बरामदगी का विवरण- 1-लूट/चोरी के 23 मोबाइल फोन- 2-मोटरसाइकिल ञ्ज्ञरू ष्ठ्यश्व बिना नम्बर प्लेट (रजि0नं0 ष्ठ्ठस्ष्ठद्ब419) 3-मोटरसाइकिल बजाज पल्सर ह्250 बिना नम्बर प्लेट (रजि0नं0 क्क4स्नरू988) पंजीकृत अभियोग/आपराधिक इतिहास का विवरण- अभियुक्त इरशाद उर्फ मिच्चू 1-मु0अ0सं0 434/2025 धारा 304(2)/317(2) बी0एन0एस थाना ट्रॉनिका सिटी ग्रामीण, कमिश्नरेट गाजियाबाद। 2-मु0अ0सं0 19185/2025 धारा 305(2)/317(2) बी0एन0एस थाना बजीराबाद, दिल्ली। 3-मु0अ0सं0 0035/2026 धारा 317(5) बी0एन0एस थाना सेक्टर-113, नोएडा। अभियुक्त जुलफाम - 1-मु0अ0सं0 0392/2025 धारा 25 आयुध अधि0 थाना पाण्डव नगर, दिल्ली। 2-मु0अ0सं0 0376/2025 धारा 304(2) बी0एन0एस0 थाना मंडावली, दिल्ली। 3-ई एफआईआर 80093028/2025 धारा 303(2) बी0एन0एस0 थाना पाण्डव नगर, दिल्ली। 4-ई एफआईआर 80003516/2025 धारा 303(2) बी0एन0एस थाना पाण्डव नगर, दिल्ली। 5-मु0अ0सं0 0035/2026 धारा 317(5) बी0एन0एस थाना सेक्टर-113, कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर।

संक्षिप्त समाचार

सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिंदू छात्राओं ने बुर्का पहनकर किया डांस, डीआईओएस ने दिए जांच के आदेश

गोंडा में सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिंदू छात्राओं ने बुर्का पहनकर

डांस किया। इससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। मामले में डीआईओएस ने जांच के आदेश दिए हैं। यूपी के गोंडा में मनकापुर स्थित एक इंटर कॉलेज में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बुर्का पहनकर डांस करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कथित तौर पर वीडियो में दिख रही छात्राएं हिंदू हैं। वह बुर्का पहनकर प्रस्तुति दे रही हैं। इसे लेकर स्थानीय स्तर पर आपत्ति दर्ज कराई गई है।वीडियो सामने आने के बाद विभिन्न संगठनों और लोगों ने मामले में कार्रवाई की मांग की है। आरोप है कि विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में इस तरह की प्रस्तुति से भावनाएं आहत हुई हैं। वहीं विवाद बढ़ता देख कॉलेज प्रबंधन की ओर से स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया गया।बताया जा रहा है कि विद्यालय के प्रधानाचार्य ने पूरे प्रकरण को लेकर लिखित रूप से माफी मांगी है। वहीं, प्राप्त शिकायत के आधार पर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

हादसे की फाइल में घूस लेकर किया खेल, आईजी ने एक निरीक्षक और 12 उप निरीक्षकों पर गिराई गाज... निलंबित

गोंडा में हादसे की फाइल में घूस लेकर खेल करने का मामला सामने आया है। आईजी ने एक निरीक्षक और 12 उप निरीक्षकों को निलंबित कर दिया है। यूपी के गोंडा में देवीपाटन मंडल के आईजी अमित पाठक ने भ्रष्टाचार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए

एक निरीक्षक और 12 उपनिरीक्षकों को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई सड़क दुर्घटना के एक मामले में विवेचना के दौरान गंभीर अनियमितता और हेराफेरी सामने आने के बाद की गई।जांच में सामने आया कि विवेचक ने दुर्घटना में शामिल वाहनों और चालकों के नामों में जानबूझकर हेरफेर किया। हैरान करने वाली बात यह रही कि जो वाहन चालक घटना के समय मुंबई में मौजूद था, उसे बहराइच के मोतीपुर क्षेत्र में हुई

दुर्घटना का आरोपी बना दिया।बाइक से हुई दुर्घटना, रिकॉर्ड में दिखाया पिकअप- इतना ही नहीं, दुर्घटना बाइक से हुई थी। लेकिन, विवेचक ने रिकॉर्ड में पिकअप वाहन दिखाया। इस पूरे प्रकरण में नियमों को ताक पर रखकर तथ्यों को बदला गया। इससे भ्रष्टाचार और मिलीभगत की बू साफ तौर पर सामने आई। मामले की गंभीरता को देखते हुए

आईजी अमित पाठक ने एसआईटी का गठन कर जांच करवाई। एसआईटी की रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर अनियमितता और भ्रष्ट आचरण की पुष्टि होने के बाद यह सख्त कार्रवाई की गई। इनके खिलाफ हुई

कार्रवाई- बहराइच जनपद के हरदी थाने के उपनिरीक्षक अरुण कुमार पांडेय, थाना रामगांव के उपनिरीक्षक संजीव कुमार, थाना नवाबगंज के अशोक कुमार, थाना नानपारा के उपनिरीक्षक अशोक कुमार एवं विवेक यादव, थाना मटेरा के उपनिरीक्षक तेज नरायण यादव व राकेश कुमार, थाना नानपारा के उपनिरीक्षक राजेश्वर सिंह, थाना रामगांव के रुपनरायन गौड़, थाना मोतीपुर के उपनिरीक्षक विजय यादव व दिवाकर तिवारी, थाना बौंडी के उपनिरीक्षक मेहताब आलम, गोंडा में खरगूपुर के उपनिरीक्षक शेषनाथ पांडेय, इटियाथोक के शशांक मौर्य, श्रावस्ती जनपद के इकौना थाने के उपनिरीक्षक शैलेश कुमार व प्रेमचंद तथा भिनगा थाने के निरीक्षक योगेश सिंह व उपनिरीक्षक गुरुसेन सिंह के खिलाफ कार्रवाई हुई है।

आईजी ने साफ कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी।

पुलिस की छवि धूमिल करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। यह कार्रवाई पुलिस महकमे में साफ-सुथरी और निष्पक्ष कार्यप्रणाली का कड़ा संदेश मानी जा रही है।

भाजपा विधायक ने समर्थकों संग घेरा मंत्री स्वतंत्र देव का काफिला, सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं में झड़प

जिले में सड़कों की बदहाली से नाराज विधायक ब्रजभूषण राजपूत ने जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का काफिला बीच सड़क पर रोककर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प हुई, माहौल बन गया। महोबा जिले में एक स्वतंत्र देव सिंह का युवा उद्घोष कार्यक्रम राजपूत और उनके समर्थकों ने काफिला समर्थकों ने जल जीवन मिशन के तहत के दौरान कार्यकर्ताओं और सुरक्षाकर्मियों शहर के रामश्री महाविद्यालय में आयोजित था। तभी कलक्ट्रेट मार्ग पर बड़ी संख्या रोका। सीओ सदर अरुण कुमार सिंह और में किया। रास्ते से गाड़ी हटवाने के लिए से नीचे उतरे मंत्री, विधायक से हुई मंत्री वाहन से नीचे उतर आए। इस दौरान मामला पहले से प्लानिंग के तहत माना संख्या में पहले से ही समर्थक कलक्ट्रेट लगाकर काफिला रोका गया। जब मंत्री अलग कराकर काफिला आगे बढ़ाया- समर्थकों को सड़क से अलग कराया और

जिससे कलेक्ट्रेट मार्ग पर अफरा-तफरी का दिवसीय महोबा भ्रमण पर आए जलशक्ति मंत्री से लौटते समय भाजपा विधायक बृजभूषण रोक लिया। इस दौरान विधायक व उनके खोदी गई सड़कों की बदहाली बताई। विरोध के बीच तीखी झड़प हुई।बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के बाद मंत्री का काफिला लौट रहा में भाजपा विधायक व समर्थकों ने काफिला एसडीएम शिवध्यान पांडेय ने मामले को नियंत्रण स्वतंत्रदेव को खुद नीचे उतरकर आना पड़ा।गाड़ी कहासुनी- काफिला रुकने के बाद जलशक्ति विधायक से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। पूरा जा रहा है। चरखारी विधायक के साथ बड़ी मार्ग पर पहुंच गए थे। बीच सड़क पर गाड़ियां गाड़ी से उतरे तो कहासुनी हुई।समर्थकों को इसके बाद प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए काफिला आगे बढ़वाया। भाजपा विधायक के साथ बड़ी संख्या में प्रधान भी पहुंचे। जिनका कहना था कि जल जीवन मिशन से खोदी गई सड़कों की दशा खराब है, जिन्हें आजतक दुरुस्त नहीं कराया गया। साथ ही, कई गांवों में अभी तक पानी नहीं पहुंच रहा है। तीन साल से समस्या बरकरार है। एसडीएम शिवध्यान पांडेय ने बताया कि विधायक के समर्थकों ने समस्या बताने के लिए जलशक्ति मंत्री के काफिले को रोका था। इसके बाद में समर्थकों को अलग कराकर काफिला आगे बढ़ाया गया। मंत्री ने विधायक से कहा- सड़कें खुदी मिली, तो अफसरों को सस्पेंड कर दूंगा काफिला रोकने के बाद चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत और जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव के बीच बातचीत हुई। मंत्री ने कहा कि जहां कोई शिकायत है, वहां मुझे लेकर चलो। उस गांव में मैं खुद चलता हूं। 40 गांवों में कहोगे तो मैं सभी जगह चेक करने चलूंगा, मेरे साथ अफसर हैं। सभी जगह देखूंगा, लापरवाही मिलने पर अफसरों को सस्पेंड कर दूंगा। आप मेरे साथ मेरी गाड़ी में चलिए।इंस्पेक्टर ने दिखाई आंख तो, समर्थक बोला- खा जाओगे क्या- काफिला रोकने और झड़प के बाद जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत को अपनी गाड़ी में बैठाया। इस दौरान विधायक के समर्थकों की इंस्पेक्टर से झड़प हो गई। समर्थकों का कहना था कि पूरी बात हो जाएगी, वह तभी जाएंगे। इसी दौरान एक समर्थक बोला- आंख क्यों दिखा रहे हो, खा जाओगे क्या। इस पर इंस्पेक्टर ने कहा कि ऐसा नहीं है, बात तो हो रही है।

गर्भवती को हुई प्रसव पीड़ा, जाम में फंसी एंबुलेंस में ही गूंजी किलकारी, बेटे का दिया जन्म

ईएमटी साधना ने अपनी ट्रेनिंग और अनुभव का इस्तेमाल करते हुए एंबुलेंस के भीतर ही सुरक्षित प्रसव कराया। किलकारी गूंजते ही परिजनों ने राहत की सांस ली।अलीगढ़ के एटा चुंगी पर फ्लाईओवर निर्माण के चलते 29 जनवरी की सुबह भीषण जाम लग गया। इस दौरान गर्भवती एंबुलेंस जाम में फंस गई, तभी गर्भवती 25 मिनट तक जाम नहीं खुला तो एंबुलेंस प्रसव कराया। एक महीने में इस तरह का कमालपुर निवासी रामेश्वर की 23 वर्षीय पीड़ा होने पर परिजनों ने 102 सेवा को से एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची और हुई। सुबह करीब 10 बजे कमालपुर एंबुलेंस जाम में फंस गई। इसी दौरान अस्पताल पहुंचने में हो रही देरी और महिला में तैनात ईएमटी साधना ने साहस दिखाया। किनारे सुरक्षित खड़ी करने के लिए कहा निर्णय लिया। जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित- का इस्तेमाल करते हुए एंबुलेंस के भीतर

करीब 10 बजे कमालपुर बाईपास पर को महिला जिला अस्पताल लेकर जा रही को तीव्र प्रसव पीड़ा होने लगी। करीब कर्मियों ने वाहन के भीतर ही सुरक्षित यह चौथा प्रसव है। धनीपुर ब्लॉक के गांव पत्नी को 29 जनवरी की सुबह प्रसव कॉल किया था। जिला महिला अस्पताल गर्भवती को लेकर अस्पताल की ओर रवाना बाईपास पर नगला मान सिंह के समीप महिला को तीव्र प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। की नाजुक स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस उन्होंने पायलट संजय को एंबुलेंस को सड़क और वाहन के भीतर ही प्रसव कराने का ईएमटी साधना ने अपनी ट्रेनिंग और अनुभव ही सुरक्षित प्रसव कराया। किलकारी गूंजते ही परिजनों ने राहत की सांस ली। महिला ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद जच्चा-बच्चा दोनों को जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को पूरी तरह स्वस्थ घोषित किया है। सम्मानित होंगे एंबुलेंस कर्मी- 108, 102 एंबुलेंस सेवा प्रोग्राम के मैनेजर मोहम्मद अरशद ने बताया कि ईएमटी साधना और पायलट संजय ने अपनी ड्यूटी से बढ़कर काम किया है। उनकी तत्परता ने एक अनमोल जीवन को सुरक्षित किया। विभाग द्वारा इन दिनों कर्मियों की जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

A burden on the heart or a chemical problem in the brain? Understand, from a scientific perspective, why crying makes your mind feel lighter.

Have you ever had tears in your eyes while watching a movie, or have your eyes well up with tears after seeing a loved one achieve success? We often associate crying with sadness or pain, but science suggests that the story behind tears is much deeper than that. Tears are not only essential for the health of our eyes, but they are also a natural way to balance our mind and body. Tears provide moisture and protection to the eyes. There are different types of tears. Crying helps reduce stress. We often think of crying as a mere sign of sadness or pain, but from a scientific perspective, the story behind tears is much more interesting. When we fall short of words, these tears become the voice of our emotions. But did you know that tears are not just an expression of emotions, they are also the 'bodyguards' of our eyes? Let's understand the fascinating science of crying in this article. What exactly are tears? Tears are essential for the health of our eyes. They maintain moisture and protect them from bacteria, dust, and dirt. The average person's eyes produce approximately 15 to 30 gallons of tears each year. As we age, our bodies' tear production decreases. If tears are not produced, it can be harmful. How many types of tears are there? According to science, there isn't just one type of tears. There are three main types: Basal tears: These tears remain in our eyes all the time. They nourish the eyes, maintain moisture, and protect the cornea. Reflex tears: When dust or a speck of dust gets into the eyes, these tears come out to flush it out. They serve as a cleansing agent for the eyes. Emotional tears: These are tears that flow out due to joy, sadness, or a deep emotion. Our limbic system produces them by sending signals to our lacrimal system. How are tears formed? You might be surprised to know that each tear is made up of three distinct layers: The inner mucus layer: This helps keep the tear stuck to the surface of the eye. The middle watery layer: This keeps the eye hydrated and protects it from bacteria. The outer oily layer: This lubricates the tear surface and prevents it from evaporating into the air. Tears are produced in glands located above our eyes and flow through small holes in the eyelids into the nasal passages, where they are either absorbed or evaporated. Why do we cry? When we are children, our tear-producing glands are not fully developed, so children make crying sounds to express their discomfort. However, as we grow older, tears replace the sounds. Adults are burdened with responsibilities, which can cause stress. Whether it's physical pain, relationship conflict, or societal pressure, these can all trigger crying. You might be surprised to know that our bodies can't differentiate between tears of joy and sadness. When emotions are intense—whether fear or extreme joy—the brain simply knows that tears are needed to release this pressure. Tears of joy and sadness are different—yes. The chemical composition of emotional tears differs from other tears. While all tears contain electrolytes and lipids, emotional tears contain specific proteins and hormones. Research shows that when we cry emotionally, several substances are released from the body through those tears, such as prolactin and adrenocorticotropic hormone. The release of these substances reduces stress and makes us feel balanced. Benefits of crying - It is wrong to consider crying as a weakness, because it has many benefits (Why Crying Feels Good): Relief from stress: Crying reduces the level of 'cortisol' in the body, which reduces stress. Social bonding: Tears signal to the other person that we need help or support. This increases trust and empathy in mutual relationships. Reducing anger: A 2014 study shows that tears can reduce aggression and increase unity among people. So, next time you feel like crying, do not stop yourself. It is a way for your body and mind to heal itself.

If you're taking Vitamin D without consulting a doctor, be cautious; it could increase your risk of kidney failure.

We all know that Vitamin D is vital for our bodies. It not only strengthens bones, but also helps absorb calcium and improves our immune system. But did you know that excessive intake can be dangerous for your health, especially your kidneys? Vitamin D overdose can cause serious kidney damage. Hypercalcemia can lead to kidney stones and kidney failure. Take Vitamin D supplements only after consulting a doctor. Do you believe that vitamin D intake is always safe? We all know that Vitamin D is essential for strengthening bones, absorbing calcium, and boosting immunity. But if you're taking supplements without thinking or in excessive amounts, be cautious. This is because the very supplements you think are beneficial for your health can cause serious kidney disease (Vitamin D and Kidney Failure). Let's learn about this from Dr. Bhanu Mishra, Consultant Nephrologist at Fortis Hospital, Shalimar Bagh. Effects of Vitamin D Overdose on the Kidneys - Taking vitamin D supplements for a long time or in large quantities without consulting a doctor can lead to vitamin D toxicity. Its most adverse effect is on our kidneys. When vitamin D levels in the body become too high, calcium levels in the blood increase abnormally. This condition is medically known as hypercalcemia. When calcium levels in the blood become too high, the kidneys have difficulty filtering it. This increases the risk of kidney stones and gradually reduces kidney function. If not addressed in time, it can even lead to kidney failure in severe cases. Don't Ignore These Symptoms - Excessive vitamin D or calcium in the body causes certain symptoms, which people often ignore, thinking them to be minor. Be cautious if you experience symptoms like frequent urination, excessive thirst, nausea, vomiting, weakness, loss of appetite, or anxiety. These symptoms could be signs of a worsening condition. The right way to stay safe: To protect your kidneys and health, it is very important to always take vitamin D supplements only on the advice of a doctor. Keep checking your vitamin D and calcium levels by getting blood tests done from time to time. Remember, a balanced diet, limited sunlight, and the right dosage prescribed by a doctor are the safest ways to stay healthy.

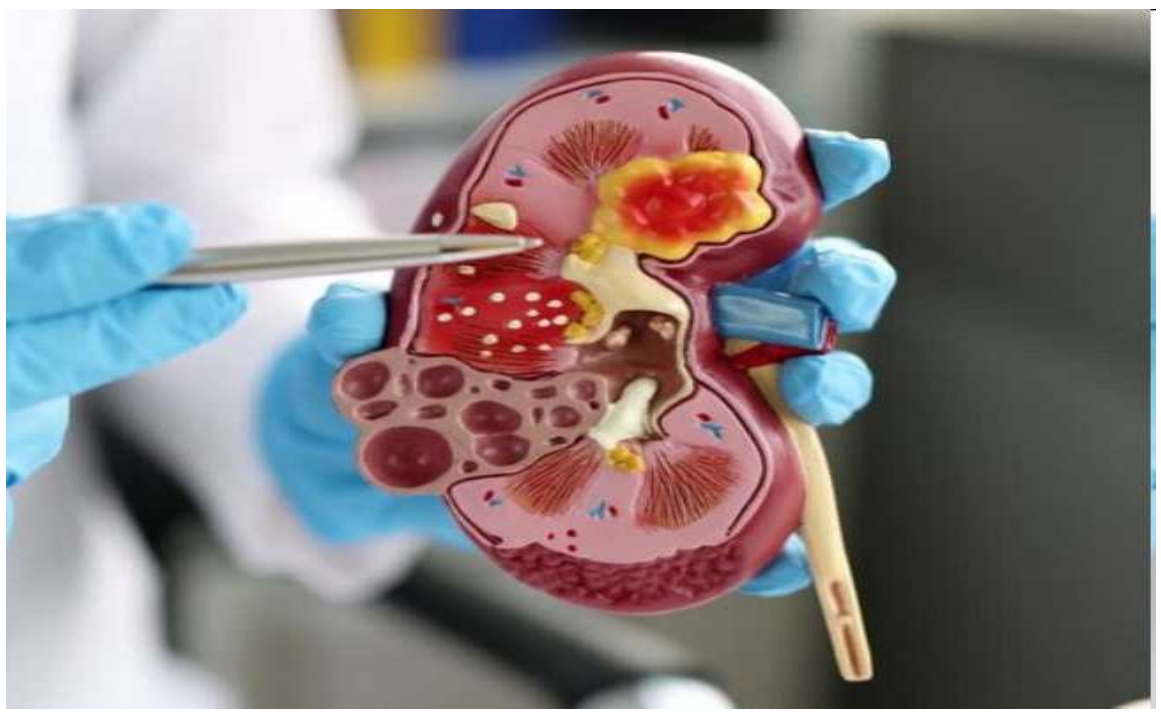

When a letter pierced the clouds and arrived, the unique story of India's first helicopter postal service

India's first helicopter postal service was launched on January 27, 1988, in the Andaman and Nicobar Islands. Launched between Port Blair and Havelock Island, the service's primary purpose was to deliver mail quickly to remote areas, significantly reducing the previously 2-3 days. India's first helicopter postal service was launched on January 27, 1988, to facilitate postal services in remote areas. The service's first flight took off from the Andaman and Nicobar Islands. Today, we communicate our messages in the blink of an eye through emails and messages. But did you know that there was a time in India when delivering mail to remote areas was extremely difficult. To overcome this obstacle, the Postal Department chose the sky and launched the helicopter postal service. But why are we talking about this today? In fact, it was on this day that India's first helicopter postal service was launched, creating history in the field of communication. Let's explore its fascinating story. Historic Beginning in India - This revolutionary helicopter mail service was inaugurated in India on January 27, 1988. India's beautiful island group, the Andaman and Nicobar Islands, was chosen for this historic launch. Its first flight was operated between Port Blair and Havelock Island. The primary purpose of this service was to deliver mail to remote areas, where reaching by road or rail was extremely difficult and time-consuming. In areas where mail previously took two to three days to reach, the helicopter service significantly reduced that distance and time. Technology and Operations - To make this unique initiative a success, the Indian Postal Department collaborated with Pawan Hans Limited. The service primarily utilized "Dauphin" helicopters. To commemorate this first flight, special 'First Day Covers' were also issued, bearing the special stamp 'Helicopter Mail', which even today is a priceless record for postal history enthusiasts. Journey of Helicopter Mail in the World - The idea of ??delivering mail by air was new to India, but it had started globally much earlier - America - The world's first helicopter mail service was started in America on 1 October 1947. The US Postal Department, in collaboration with Los Angeles Airways, achieved this feat using a Sikorsky S-51 rotary wing helicopter. United Kingdom - Exactly one year after America's success, in 1948, the United Kingdom also started its helicopter mail service.

After the success of "Border 2," the makers have finalized "Border 3," with Sunny Deol set to roar back into theaters.

"Border" was well-received by audiences in 1997, and now, 28 years later, its sequel, "Border 2," is also receiving rave reviews. The film has completed a double century in just four days.

Meanwhile, the makers have also finalized "Border 3." Makers finalize "Border 3": Sunny Deol will return to theaters again - Border 2 is wreaking havoc at the box office. Deol fans. After the tremendous success of "Border" and "Border 2," the franchise is all set for its next installment, "Border 3." Producer Bhushan Kumar recently confirmed that "Border 3" has been greenlit and will be directed by "Border 2" director Anurag Singh. Makers confirm Border 3 - During an interview, Bhushan Kumar talked about a separate film being made with Anurag. Bhushan said, "We are doing a joint venture (a separate film) with his company and my company. He will direct it and it will be something new. Border 3 will also be made at the right time." The producer then confirmed that Border 3 has been greenlit. Bhushan Kumar said, "Obviously, it's such a big franchise. Anurag has worked very hard to revive it. If you bring something back after almost 30 years and it's getting so much love, we will definitely take it forward." Border 2 is making a killing at the box office. Meanwhile, Border 2, directed by Anurag Singh, stars Sunny Deol in the lead role, along with Varun Dhawan, Diljit Dosanjh, and Ahan Shetty. The film, produced by T-Series and JP Films, continues the legacy of the 1997 classic Border. The film has received mostly positive reviews. The film has grossed ?180 crore at the domestic box office so far, with the highest earnings coming on Republic Day, when the film earned ?59 crore, taking its total collection to ?180 crore. Worldwide, the film has crossed the ?200 crore mark, earning ?239.4 crore worldwide.

What is the real truth behind the viral penguin video on the internet? A scene from a documentary made 19 years ago is trending.

A video of a penguin is going viral on social media, leaving many people confused as to why this reel is going viral. Let's find out which documentary is this video from? What is the story of this penguin walking on land? And why is this video going viral on the internet after so many years? Why is this penguin video going viral on the internet? What is the story behind the viral penguin video? - This viral scene is from a documentary made 19 years ago. A simple clip of a lone penguin has become one of the biggest viral sensations of 2026. The Nihilist Penguin meme is trending on TikTok, Instagram, Reddit, and other platforms. This clip is from a documentary released 19 years ago. The footage, which is attracting attention worldwide, is taken from German filmmaker Werner Herzog's 2007 documentary "Encounters at the End of the World." In one segment, Herzog and a team observe a lone penguin becoming separated from its colony and, instead of heading toward the sea, walking inland toward distant, snow-capped mountains. Why is this video viral on the internet? Penguins typically live near the sea and their fellow birds, so this behavior is rare and shocking. Herzog's narration also calls it a kind of "Death March," as penguins find it difficult to survive underground. In early January 2026, short clips and edits of this lone penguin began spreading rapidly online, earning it the nickname "Nihilist Penguin." What is the meaning of this viral video? The "Nihilist Penguin" meme has become very popular. The penguin's apparent breakaway from its group and marching alone in the opposite direction is being linked to modern lifestyles and human emotions. For many, the penguin's quiet but aimless march reflects modern-day challenges, such as burnout, emotional exhaustion, a desire to break away from routine or expectations, or a quiet feeling of being lost in a vast world. Why the "Nihilist Penguin" name? The term "Nihilist Penguin" became popular because the penguin's movements appear deliberate, calm, and strangely philosophical, as if it has completely given up on the meaning of life. What does science say about penguin behavior? Despite all the memes, scientists say there's nothing philosophical going on. According to researchers and wildlife experts, this behavior is rare but not unknown in penguins. Some penguins may wander due to neurological problems or illness, and some may wander due to health issues. Along with this, science says that humans derive only the meaning they want.

A 7-year-old crime thriller has become a must-watch on Netflix, trending in the top 10.

It's common for new films and web series to trend on Netflix. But it's surprising when an old film trends on this OTT platform. Currently, a 7-year-old crime thriller is making waves on Netflix. A 103-minute film dominates Netflix - a 7-year-old movie is making waves on OTT - trending at this number in the top 10. The OTT platform Netflix is ??always a great entertainment hub. Every week, this popular OTT platform releases a slew of new web series and movies. However, it has also been observed that older films are also gaining popularity on Netflix. A seven-year-old Hindi film is currently joining this trend, trending in the top 10 on Netflix. Let's find out which Bollywood movie is being discussed here. Netflix Takes Over Old Film - The film being discussed in this article is a crime thriller. Released in 2019, the film was made on the big screen. According to a Bollywood Hungama report, made on a budget of ?27 crore (27 crore rupees), it grossed over ?47 crore (47 crore rupees) at the box office, while its worldwide collection exceeded ?67 crore (67 crore rupees). This film became a superhit. The 1 hour 43 minute crime thriller tells the story of a deranged serial killer who kidnaps young women from across the state, raping them, and then brutally murdering them. A female police officer is pursuing this killer, whom he constantly eludes. To know the rest of the story, you will have to watch actress Rani Mukerji's film Mardaani 2, which was released 7 years ago, on the OTT platform Netflix, which is currently trending at number 7 on OTT. Mardaani 3 will be released soon - Actress Rani Mukerji is going to return soon in the role of police officer Shivani Shivaji Roy. Mardaani 3, the third installment of Rani's Mardaani franchise, will be released in theatres on January 30. Till now, two parts of Mardaani have been released and both have been commercially successful. Apart from this, the OTT release date of Mardaani 3 has also been revealed, based on which it will be streamed on Netflix on March 27 after the theatres.